

साहित्य अकादेमी द्वारा उत्कृष्ट भारतीय ग्रंथों और लोकप्रिय भारतीय कृतियों को विदेशी भाषाओं में संवर्धन

भारत सरकार ने साहित्य अकादेमी (संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय) के माध्यम से भारतीय साहित्य के विदेशी भाषाओं में अनुवाद को बढ़ावा देने/प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर अनेक कदम उठाए हैं। इन वर्षों के दौरान अकादेमी ने कई उत्कृष्ट भारतीय ग्रंथों और लोकप्रिय भारतीय कृतियों को विदेशी भाषाओं में संवर्धित किया है, जैसे कि रामायण का अयोध्या कांड, जैसा कि कंबन द्वारा कथित तमिल से अंग्रेजी में, मलयालम के चेम्मीन से अंग्रेजी और कई पूर्वी यूरोपीय भाषाओं में, तुलसीदास की कवितावली का अंग्रेजी में, प्रेमचंद के गोदान का अंग्रेजी में, एसएन पेंडसे की गारंबीचा बापू को अंग्रेजी में, विभूति भूषण बंद्योपाध्याय की पाथेर पांचाली का फ्रेंच में, कुछ उल्लेखनीय नाम हैं।

अकादेमी ने 10 विभिन्न भारतीय भाषाओं की निम्नलिखित 10 पुस्तकों का चीनी, रूसी और अंग्रेजी में अनुवाद प्रकाशित किया है :

सैयद अब्दुल मलिक (असमिया) द्वारा सुरुजमुख स्वप्ना
तारा शंकर बंद्योपाध्याय (बंगाली) द्वारा आरोग्यनिकेतन
झावेरचंद मेघानी (गुजराती) द्वारा वेविशाल
निर्मल वर्मा द्वारा (हिंदी) कव्वे और कला पानी
एस एल भैरप्पा (कन्नड़) द्वारा पर्व
मनोज दास (उड़िया) द्वारा मनोज दसंका कथा ओ कहिनी
गुरदयाल सिंह (पंजाबी) द्वारा मरही दा दिवा
डी. जयकांतन (तमिल) द्वारा सिला नेरंगलिल सिला मणिदरगल
आर विश्वनाथ शास्त्री द्वारा इलू (तेलुगु)
राजिंदर सिंह बेदी द्वारा एक चादर मैली सी (उर्दू)